

राजनीति में वक्ती सबसे ज्यादा मफल होता है जो निरंतर पार्टी की मजबूती करने के साथ ही चुनाव में विजयाएँ के लिए जनता के लिए काम करता होता है। ऐसी भावना वही तरह है कि अपनी बहावी होती है और जनता की वजह से सुनहरी होती है। जनता काम करने वाली पार्टी को बढ़ा देती है। इसमें पार्टी ने नेता है, वह देश के प्रोग्रेस के रूप में इश्वरिण् लोकप्रिय है, कि वह एक काम करता है जिसका जनता का धनायर होता है, जनता को सुधारता होता है। ऐसे में तोतो ही हजारी वही लेकिन जनता को तोता गिराने के लिए होते हैं। पार्टी योद्धा जनता के नेता है इश्वरिण् वह निरंतर सुनहरी है कि इस पार्चे साल काम करते हैं एवं जनता की वजह से काम करता है, आले पांच साल जनता के लिए काम करता है। वहाँ तक की वह आले 25 साल में क्या करना है, वह भी लिए किए भवानी भवानी तोतीसी तोतीसी व लेकिन लेकिन दिवसांत आले, चमों की साल साल एवं वह पार्टी रहते हैं।

वाले सोचे कर रखते हैं। अपने देश व जनता के ए काम के कारण उन्हें जनता पर इन्हाँ नियन्त्रित है कि वह पूरे विद्युतसे से कहते हैं कि वह भी जनता विद्युतों को पाने वाली योग्य पार्टी है। वह भी वर्गोंदेश में नेता तो बहुत हैं ऐसे भी योग्य में होते हैं कि वह कहीं को कहाँ की तरह किसी को लकड़ी की तुलना नहीं होती है कि वह कर सके जिताता तुलना में उसकी पार्टी को जितायाए। पीसम वह भरभरा दिलचिल होता है कि वह पूरे पाच वर्षों के लिए न कुछ करते रहते हैं। वह भी जनाधारक के विकास के लिए प्रयत्न करते रहते हैं जोन नहीं है कि वह पाचवर्षीय प्रधारकों तो सहन करता है। वह तो ऐसे नहीं है जो ज्यादा से कोट पायी को कैसे मिल सकता है, ए नहं नहं योजनाएं बनाते हैं, पुराणी योजनाओं को नया रंग देते हैं। वैसे को सोचे रखते हैं। इस योजना के

साल बढ़ा दिया है। इसमें जो वार्ता देते थे, वह भाजपा के मोरी ने गोपनीय को घर, अपनी सारी जोखी और पुराणा उत्का बड़ा वार्ता बैंक बना साथ ही नए सुने कुछ ठांस करना पड़ा था, इस और ऐसी तथा इस बार विषया मुझे कानूनी जरूरत नहीं आयी एवं इसलिए इसका उत्तर नहीं देखते कि विषय उड़े इसमें फलतः कि विषय उड़े योग्य मोरी विषय की ओर जाना का समय और पांच

गे गतवाल लोग भाजपा को पाले में ही रहे। पीएम विजित, शिशा, सरकार्य के बाबत हड्डी है। इससे गयोंने दुर्भाग्य हड्डी हुआ है और वह मोटी के नियन्त्रण में जॉन-जॉन की हाथों का समाप्त हो गया। एक अपने मोटी देख द्या वहे जॉनतर पर पीएम को देखते हुए जॉनतर के लिए 24 घण्टा कर्कट उड़ाका शुभासंग भी बिरसा ही। वह सराज नेहरू, वह बदला बदला करता चाहता है। कोई नुकसान पहुंचा पाएगा कि जबका में करना

है, इसकी पूरी तरीया का लेते हैं। विषय जहा जाति जगनामां के नाम पर दो तीन दशक पुरानी राजनीति में फैली की सोच रहा है। वही पीएम जॉन-जॉन के लिए बेटे के बलात्काल दिया जा सकता है। केसे संघर्ष के साथ नई राजनीति की जा सकती है क्योंकि देश के लोगों को एक नई किंवदं जा सकता है, सोचते ही। जॉनतर देख चुकी है कि वह आरण्य की जॉन-जॉन के जॉनतर जॉनतर में कोई बड़ा बलात्काल नहीं आया है। जॉनतर के नाम पर राजनीति में हिस्सदारी की बात तो कोई नहीं। लेकिन जॉन-जॉनामा का साता पर कजाक है, वह कानूनी कांजर जॉनामों को जित्सा नहीं देता बातेवाही। इस बात को जॉनतर बधूनों दे तीन दशक से देख रही है। इसके अपनी मोटी सरकार सत्ता में उठने की जातियों को हिस्से दे रही है। वही वही बात मोटी को परमेश्वरा का नेता बनाती है।

लाकृत्र का आधाराशला आर चाथ स्तभ के रूप में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका

किशन सनमुखदास भावनानी



भारत के
क्रान्तिकारियों का
बाबसे बड़ा हथियार
रहा है। हर साल
भारत में 16
देसबंद को दाढ़ीय

**प्रेस दिवस मनाया
जाता है, लेकिन
इस दिन को
सेलिब्रेट करने के
लिए 16 दिसंबर की
तारीख को ही क्यों
चुना गया भारत में
राष्ट्रीय प्रेस दिवस
भारतीय प्रेस
परिषद की स्थापना
के उपलक्ष्य में
मनाया जाता है।**

चुनौती वाला और सोलह मिडिया के लिए चुनौतियां अति फैलाते हैं कि उन्होंने प्रति एक वर्ष में बहुत अधिक और धूमधारी तरीफ़ की है जो इसी विश्वासक और साथसांग मीडिया के लिए भी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। इसके अंत में एक और फैक्टोग्राफ़ी का प्रवर्तन बहुत ही कठिनाइयों एवं प्रबलमों से जुड़ा हो विक्षिप्त के लिए प्रशंसनीय खड़ी कर रही है, तब तो आम बहुती प्राइवेट विश्वासियों से प्राप्त विश्वासियों का सारा ऊर्जावान दृष्टिकोण ही इसके अंतर्गत दृष्टिकोण से लेकर मीडिया हाउसेज़ के मानिकों के तरफ़ और आसानीकरण स्तर पर चर्चाएँ जैसे लेकर प्रधानमंत्री तक तथा राजनीतिक स्तर पर कठिनाइयों से लेकर प्रधानमंत्री तक विक्षिप्त के लिए आम मीडिया के भेजे गए थे। चाहे यह एक दृष्टिकोण की जावाबदारीया फैलने वाली चर्चा वाले वह ही हैं, जोकीनो लोकतान की आधारभूती और जीवनी स्तर के रूप में मीडिया की वस्तुताओं पर भ्रूमिकाएँ हैं।

अमेरिकी अज एवं मीडिया पर जीवित मीडिया हाउसेज़ की जावाबदारीया फैलने वाली चर्चा वाले वह ही हैं, जोकीनो लोकतान की आधारभूती और जीवनी स्तर के रूप में मीडिया संस्थानों की प्रकार इसके साथ ही उनके दुरुस्थान की भी आपूर्ति होती है। इसके साथ ही उनके दुरुस्थान की भी आपूर्ति होती है। इनको हांग करके आटिंगिज़ के लिए विश्वासियों और ताकियों को बाहर रखना समय की मात्रा है।

साथीयों वाल अपर हम भालू में निर्भय और स्वतंत्र जिम्मेदारी की तरह की तरह इसके मानवीयता स्वरूपों को बाहर रखना समय की मात्रा है।

साथीयों वाल अपर हम भालू में निर्भय और स्वतंत्र जिम्मेदारी की तरह की तरह इसके मानवीयता स्वरूपों को बाहर रखना समय की मात्रा है।

का थामा खर्बे
। उत्तरवायी है कि
विनाश भवन
के ऊटदर्श मरणों
को और समरोहों
को विनाश भवन
है कि वह सभा
है वह वर्किंग को वह
वह बताए, चाहे वह
सचिव सचिव मध्यम से
सचिव सचिव अंग और
सचिव सचिव अंग और
को को कहा दिया है।
वह के साथ उत्तरवायी
नामों लिखकर¹
वह अपना आवास
उत्तरवायी के
को जैतावाहिक
नामों के जाता के
अपनी प्रतिविद्वता
वह वर्णनदाता को
पाता चल जाता है।
जिक करते हुए
से और अंग उड़ा
है, हाल तक
तेलिवर्प और चैर
प्रेस एवं को
लिंकन इंडस्ट्रियल
असाजका और अस्वित्त
प्रियदर्शी ऐसा
निपन्ने पर जो दिया। आगे कहा कि आज
प्रियदर्शी को जिम्मेदारी
बढ़ गई है। उत्तरवायी ने किसी भी सुनाव
संसदीय संसदीय और प्रीविडा
को अंग असाजका और अस्वित्त
प्रियदर्शी जैसे छह को जग न रख सके
साथीयों वाले अपना हम भारत में सुनाव
मनोन को समझनी की को ले, भारत में प्रेस को
का चीज़ रख भारत मान दिया है। अपना को
समझना हो तो अवश्य उत्तरवायी को का
काफ़ी बहु बहु करती है। अक्षर उत्तरवायी
कि खोली न कराना न रखवाना निकलता
मुकाबिल हो तो उत्तरवायी। लिंकन। वह को
को लालत को अच्छे से सज्जा भारत में
के समस्ये से लेकर अन तक भारत में प्रेस का
भूमिका हो रही है। आजानी को जो के दोषों प्रेस
कार्यकारिकारों का सबक बहु धृष्टवाय रह
भारत में 16 दिवान को गोपनीय प्रेस विभाग
है, लेकिन इस दिन को सेल्विट करने के
दिवार को तारीखी ही की चौंक चुना गया भारत
प्रेस दिवान भारत प्रेस विभाग को
में मनवा जाता है। प्रकरिति के ऊंचे आ
करने वे को स्वतंत्रता को रक्षा करने के
एवं और लिंकन इंडस्ट्रियल ने 16 दिवान
विभाग को तारीखी से तांत्र नाम दिया। आगे

सेलिब्रेट करने के लिए 16 दिसंबर की तारीख को ही क्यों चुना गया भारत में राष्ट्रीय प्रेस दिवस भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना के उपलक्ष्य में

साथीयों ने बताया था कि अग्र 16 नवंबर 2023 को जिम्मेदारी को ऊँचार कर जनन के समान रखना ताकि ऐसे शासक अधिकारियों राजनेताओं को जनन सकत सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय दोनों भारत में दिवाक 16 नवंबर 2023 को राष्ट्रीय प्रकारतात्विक वसंतीजीदारी के साथ मनाया जाए।

साथीयों ने बताया था कि अग्र 16 नवंबर 2023 को जिम्मान भवन नई रिहाई में मनाए गए राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2023 के उद्देश्य समान उपराष्ट्रीय के सम्बोधन की तरह, उद्धव जान देते हुए किसी विद्युत को राजनीति का हिस्सा या हितवर्धक नहीं होना चाहिए, मीडिया को लोकसभा की ताकत हीना चाहिए, कर्तव्यों नहीं मीडिया को राजनीतिक धारणाओं से बचाना चाहिए ताकि प्रातिशाली मीडिया हारो लोकतंत्र में सच्चाय और जीवाल देशी का प्रकार बना सके। उपराष्ट्रीय ने कहा कि यह कठोर बनाना नहीं होगा कि पैकं न्यू शब्द जितना चुनौतीया बन डाक सुकालता करना चाहिए कि मीडिया का विषय आर्टिफिशियल और बहुविद्युतीय आर्टिफिशियल इंटरेंजेस से होगा सूझा के तौर तरीकों को बलव दिया देवेलपर्स हासपे दैनिक जीवन का बनाना चाहा जा रहा है। लोकतंत्र में मृप्रशासन उत्तरों उड़ानेने करके भी की साथ-साथ लोकवाद की मीडिया ने चर्चा के स्तर और रूप में अपनी भूमिका 3.0 की भी मीडिया बैंजुलों की आवाजाना तरह रहा है और सूतों में कैटे लेतों रहा है। उड़ानेने करके अज्ञ सुचना के में प्रकार और मीडिया और मीडिया बनाने इंडिया माननों को बनाए रखें, तथा और विस्तारात्मक और स्पष्टतात्वीक स्वतंत्रता और अधिकार आज यह पहले से भी कही अधिक

निवास नहीं कर सकते। अब यह जल्दी होगा। उड़ानी आये तब लैल डिविनिंजे के ही हैं प्रसिद्ध हैं। और अमान जनने वाले भी अधिकार मिला है। इसके बाद एक अधिकार आये तब लैल डिविनिंजे के महत्व पर ध्यान देना प्रसिद्ध प्रदर्शन ना रहा है और चौथे दिन दूद करता रहा है। अपनी भूमिका अदा करने वाले तो नियन्त्रित करता रहा है और उसके बाद उनका उत्तरवाहन के तहत व्यापारी खोते रहते थे लैल डिविनिंजे के उत्तरवाहन की बाबा रखने वाली चाहिए। लैल डिविनिंजे के उत्तरवाहन की बाबा रखने वाली होगा यहाँ।

उत्तरवाहन के तहत लैल डिविनिंजे को गार्डीन प्रेस दू मासिन जाना हो। भारतीय प्रेस परिषद यार ने कार्यक्रम के अंत डिविनिंजे के बाबा नियन्त्रित किया गया है, जिसे लैल डिविनिंजे के संचालन की नियन्त्रित की अधिकार मिला है। इसके एक अध्यक्ष होते हैं जो स्प्रिंग कोट के संचालनरूप जज होते हैं। इसके अन्तर्वाहन 28 अनु मुद्रण होते हैं, जिनमें से 20 प्रेस से होते हैं, पाच सदस्य के द्वारा सदनों से नामांकन होते हैं और तीन प्रतिनिधित्व करते हैं। भारतीय प्रेस को चैच डिंग और भारतीय प्रेस प्रसिद्ध होने के मोलत चैच डिंग को जाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त परिवर्तन का अध्ययन कर सकता विश्वसनीय करते हो हम पायेंगे कि गार्डीन प्रेस दिवस 2023 का अगाज़ लैल डिविनिंजे को स्वतंत्रता जीवन लेकर की अधिकारिता है। लैल डिविनिंजे की अधिकारिता और चौथे दिन दूद के तौर पर मौजूदिया की महत्वपूर्ण भूमिका। मौजूदिया के उत्तरवाहन मानकों को बाबा रखने वाली स्वतंत्रता को बाबा रखना सामन की मांग है।

भूमिका-आज का दिन आपके लिए खुल्लमेहों से भग रहने वाला है। आज अपने जीवन का तरह सबसे से रूप होना है नन्हा आ रहे हैं। इस रुप से अपने जीवन को बढ़ावा देने के लिए यह सदन बनायेंगे, जो कार्यालय साकार होगा। आज अचानक घर मिलने से आपको अधिकार मिलने वाला होगा।

मकान गोश-आज का दिन आपके लिए फेसेंडर रहने वाला है। आज आपस पर को मासिन का पूरा व्यान रखेंगे। किसी काम में कम महत्व से सी सकलता मिलने वाला है। आज आपस पर को मासिन का पूरा व्यान रखेंगे।

कूंभ गोश-आज का दिन आपके लिए सुखरात रहने वाला है। किसी बजाय की स्वतंत्रता को स्वतंत्रता की अधिकारिता करने पर आपको अच्छा महसूस होगा। आज काम सकारात्मक साथे के साथ काम को करते हो किसी काम को सकारात्मक रूप से करने की अपेक्षा करते हो। आज काम को बाबा रखने की अपेक्षा करते हो। आज काम को बाबा रखने की अपेक्षा करते हो। आज काम को बाबा रखने की अपेक्षा करते हो।

मौन गोश-आज का दिन आपके लिए एनारन रहने वाला है। जैसे जाने के साथ साथ जानने की मिलती है। आपको आपका काम को तारीखी रूप से बदलना चाहिए। आपको आपका काम को जानने की अपेक्षा करते हो। आज काम को बाबा रखने की अपेक्षा करते हो। आज बच्चों के साथ बितायें, उन्हें काम की मार्गता दिखाओ। आज बच्चों के साथ बितायें, उन्हें काम की मार्गता दिखाओ।

काश जाना विज्ञान हाता डॉक्टरो बना
डॉ. सुरेण कुमार मिश्रा उत्तरप्रदेश, को कलाकारी मानने की। जैसे ऐसे

कारोबार, 'झोलाछाप' कर रहे उपचार

A composite image featuring two photographs. On the right, a woman with dark hair, wearing a black sleeveless dress, is looking directly at the camera with a slight smile. On the left, a young man with dark hair, wearing a dark suit jacket over a white shirt, is also looking towards the camera. The background is plain white for both subjects.

जिनके द्वाया आगे आगे को संसर्व बढ़ती रहती है। यह पिर कहना आवश्यक अनुभव है।

पिर उन्हें के लिए नहीं झूँकने के लिए उन्हें ही है। सिर उन्होंने तो जीवन का छोड़ दिया। इन्होंने ही उन्हें जीवन का छोड़ दिया। इन्होंने ही उन्हें जीवन का छोड़ दिया। अनेक लोगों को दिखाया, मरुसी रोटी को मरवान का भूट दिखाया। नहीं रहता। अब आगे सीधे ही भूट बिल्कुल मरना करता। वरना किसी

विषय के अधिकारियों की मरवानी से बच रहा था। उन्होंने कागारार्यों पर खाली महमद के आठ अधिकारियों से उसकी बालाकों पर एक आच आवृत्ति दी। जो वे डॉकर जो न तो पंजीकृत हैं और न हो उनके पास हैं।) को सम्बन्धित व्यापारों में वित्र काम वित्र व्यापार सम्बन्ध में अपनी रिपोर्ट में बताया 5713ब डॉकर वालत में बिना भौंकल डियो के आवश्यक को बत नहीं है कि उसमें से ज्यादातर रक्त के बाहर आगे जाए है। डॉकर मैटेकल कारसेल से एक 1997, ड्रास एंड कॉमोटेंट मैटेकल कारसेल एवं 1997, ड्रास एंड कॉमोटेंट

इन अवधियों के द्वारा उत्तराखण्ड की स्थानीय समस्याएँ बहुत अधिक प्रभावित हो गई हैं। इन अवधियों के द्वारा उत्तराखण्ड के वाराणसी देश में ऐसे ही बदलाव हो गए हैं जो आज भी उत्तराखण्ड के लोगों की जीवनशैली को बदल दिया है। यहाँ के द्वारा फूलने-फैलने का कारण सकारी स्थानीय सेवाओं की कमी है। साथ ही जो सकारी मैटेलिकल अफसोस है वो वर्षे धरों में अपने और यांत्रिक सामग्री के माध्यम से देखना पड़ता नहीं करता, विसिनी जल से उत्तराखण्ड अपने विशेषज्ञताओं के द्वारा रखता है। ज्ञानाचार्यकां का धृष्टि भरने फूलने के पौष्टि स्थानीय केंद्रों पर जाना बड़ेरों को लापता होता है। साथाचार्यकां व प्रायोगिक विद्यार्थी केंद्रों पर मरीचों की समस्या से ढक्कर लगती है। यांत्रिक सामग्री के कारण द्वारा स्थानीय केंद्रों में डॉक्टरों की कमी के साथ साथ द्वारा स्थानीय केंद्रों में जिला प्रशासन के साथ सिर्फ़ इन ज्ञानाचार्यकां विद्यार्थी पर नकल करने की ज़िल्हा और लोगों की भी अपनी ज़िल्हा विद्यार्थी की हानि चढ़ाती है। यहाँ के लोगों के पास ज़िल्हा विद्यार्थी के अपने गौल के सकारी ज्ञानाचार्यकां के द्वारा प्रायोगिक विद्यार्थी के द्वारा प्रायोगिक विद्यार्थी की इस दिनी में यांत्रिक कानूनी विकास सेवा उत्तराखण्ड को कम हो जाती है। और ज़िल्हा विद्यार्थी की इस दिनी में यांत्रिक कानूनी विकास सेवा उत्तराखण्ड न हो। अगर ऐसा है तो सकारी से मान करने के उत्तराखण्ड पूर्ण विकास के लिए ज़िल्हा विद्यार्थी का लापता होता है। सकारी विद्यार्थी पर ज़िल्हा विद्यार्थी की वापरी हानि जाती है। प्रायोगिक विद्यार्थी पर कानूनी विकास सेवा उत्तराखण्ड के लोगों की वापरी हानि जाती है। प्रायोगिक विद्यार्थी पर कानूनी विकास सेवा उत्तराखण्ड के लोगों की वापरी हानि जाती है।

का कलाकार नाम का जैसे कटते समय कुल्हाड़ी में लगी लाल को अपनी बिरादरी समझकर खुश है ठीक उसी तरह हम भी अपनी ज

हाइड्रोजन के दो परमाणु और



वान जैसे के रूप में
मास हो भी क्यों
निर्विजित उत्तर
मार मारक सकारी
13 लिखित
लाल पंजेंकू
देखा याहो तो
पाए थे पर आज
इस संस्कृत में
यानी देख देख
हो लिकिन
देशपाल में खासकर गावों में जिन जस्ती डिग्गी बाले
डॉक्टरों को भरभार है। कोई तीन-चार साल में
मैट्रिक्स स्ट्रो पर काम करने के बाद डॉक्टर बन जा रहा
हो, तो किसी के पूर्वानुष्ठान द्वारा वे इंजीनियर्स को बोलता
तुरंत आपने तो दिया दो लिंकिन इम्प्रेसु दुख्या भाइ मरीजों
को भगाना पड़ चुका है। ये ज्ञालापांड डॉक्टर (वे डॉक्टर
जो न तो पांजीकृत हैं और न ही उनके पास अपनी डिग्गी
हैं) नकली दिवाओं के साथ इलाज कर मरीजों के जीवन
से बिल्लापांड कर रहे हैं। ऐसा भी देखा जाय है कि कई
ज्ञालापांड डॉक्टर नकली दिवाओं के साथ इलाज कर मरीजों वे
से बिल्लापांड कर रहे हैं। ऐसा भी देखा है कि किंवदं
ज्ञालापांड डॉक्टर नकली दिवाओं के पास एक पैदा करने वें उत्तर दूर है। ऐसे
में ज्ञालापांड डॉक्टर नकली दिवाओं को पैदा करने वें उत्तर दूर है। ऐसे
में ज्ञालापांड डॉक्टर नकली दिवाओं को जीवन के बालवान एवं प्रभावी
करने के काम करते हैं अंत में जी जाती है। फैज़ फैज़ द्वारा इस
मरीजों के जीवन से खिलबालू किया जा रहा है। देख भर में जगह
है। यांत्रों में विजा जस्ती डिग्गी बाले डॉक्टरों की भरभार है। कोई तीन
साल तक मैट्रिक्स स्ट्रो पर काम करने के बाद डॉक्टर बन जा रहा
हो, तो किसी के पूर्वानुष्ठान द्वारा वे इंजीनियर्स को बोलता
दो दिन नियामित द्वारा वे इंजीनियर्स को बोलता
तुरंत आपने तो दिया दो लिंकिन इम्प्रेसु दुख्या भाइ मरीजों
को भगाना पड़ चुका है। ये ज्ञालापांड डॉक्टर (वे डॉक्टर
जो न तो पांजीकृत हैं और न ही उनके पास अपनी डिग्गी
हैं) नकली दिवाओं के साथ इलाज कर मरीजों के जीवन
से बिल्लापांड कर रहे हैं। ऐसा भी देखा जाय है कि कई
ज्ञालापांड डॉक्टर नकली दिवाओं के साथ इलाज कर मरीजों वे
से बिल्लापांड कर रहे हैं। ऐसा भी देखा है कि किंवदं
ज्ञालापांड डॉक्टर नकली दिवाओं के पास एक पैदा करने वें उत्तर दूर है। ऐसे
में ज्ञालापांड डॉक्टर नकली दिवाओं को पैदा करने वें उत्तर दूर है। ऐसे
में ज्ञालापांड डॉक्टर नकली दिवाओं को जीवन के बालवान एवं प्रभावी
करने के काम करते हैं अंत में जी जाती है। फैज़ फैज़ द्वारा इस
मरीजों के जीवन से खिलबालू किया जा रहा है। देख भर में जगह

पदा करने में जुटा है। भारत द्वारा भर्म म प्रधानमन्त्री का अविभासित काम के बावजूद इस पर नकेल करने को कोई कार्रवाई अंजाम नहीं दी जाती।

एक गिरजाघर डॉक्टर ही एलोपेथिक दवा लिख सकता है। भारतीय अधिकारियों द्वारा एलोपेथिक दवा के लिए, भारतीय चिकित्सा केंद्रों परिषद अधिकारियम्, 1970 कहाना है कि भारतीय चिकित्सा परिषद के अधिकारियों के अलावा कोई भी व्यक्ति जो किसी मानवान्तर प्राचीन चिकित्सा राहता है औं आपको एसेंट वर्सेल या भारतीय चिकित्सा के केंद्रीय विभाग में मानवान्तरि, व्यक्ति को मैडिकल राज्य में मंजूरी दी जायगी औं मंजूरी के लिए दस लिखानों। इसके अलावा यह कोई अन्य व्यक्ति को दस लिखानों के लिए डिग्निफिड मार्केटिंग काउंसिल एवं, 1956 में कारोबारी की सज्जा को उल्लेख करते हैं कि एक व्यक्ति सकता है या जुनूनी जो 1,000 रुपये तक हो सकता है या दोनों हो सकता है, द्वितीय मैडिकल कारोबारिशन एवं, 1997 के तहत कर्तजन (27) में 'कारोबारी' को उल्लेख किया है। इस तीन सालों की दौरी के बारे में 20,000 रुपये तक का जुनूनी या दोनों हो सकते हैं। ग्राही दंत विभाग भी इस मानवान्तरि को छापा 429 (परिषद्धा) जान विभाग विभाग वाले डॉक्टर बिल्डर काम करता है। इनका नाम दोनों हो सकते हैं तो आखिर जिस विभाग की सेवा होती है जो इस बच्चों को उपचार देता है। सकारात्मकों ने ऐसे मानवान्तरि पर लाल चिठ्ठी लिखायी। केंद्रीय विभाग

इन अवधियों के द्वारा उत्तराखण्ड की स्थानीय समस्याएँ बहुत अधिक प्रभावित हो गई हैं। इन अवधियों के द्वारा उत्तराखण्ड के वाराणसी देश में ऐसे ही बदलाव हो गए हैं जो आज भी उत्तराखण्ड के लोगों की जीवनशैली को बदल दिया है। यहाँ के द्वारा फूलने-फैलने का कारण सकारी स्थानीय सेवाओं की कमी है। साथ ही जो सकारी मैटेलिकल अफसोस है वो वर्षे धरों में अपने और यांत्रिक सामग्री के माध्यम से देखना पड़ता नहीं करता, विसिनी जल से उत्तराखण्ड अपने विशेषज्ञताओं के द्वारा रखता है। ज्ञानाचार्यकां का धृष्टि भरने फूलने के पौष्टि स्थानीय केंद्रों पर जाना बड़ेरों को लापता होता है। साथाचार्यकां व प्रायोगिक विद्यार्थी केंद्रों पर मरीचों की समस्या से ढक्कर लगती है। यांत्रिक सामग्री के कारण द्वारा स्थानीय केंद्रों में डॉक्टरों की कमी के साथ साथ द्वारा स्थानीय केंद्रों में जिला प्रशासन के साथ सिर्फ़ इन ज्ञानाचार्यकां विद्यार्थी पर नकल करने की ज़िल्हा और लोगों की भी अपनी ज़िल्हा विद्यार्थी की हानि चढ़ाती है। यहाँ के लोगों के पास ज़िल्हा विद्यार्थी के अपने गौल के सकारी ज्ञानाचार्यकां के द्वारा प्रायोगिक विद्यार्थी के द्वारा प्रायोगिक विद्यार्थी की इस दिनी में यांत्रिक कानूनी विकास सेवा उत्तराखण्ड को कम हो जाती है। और ज़िल्हा विद्यार्थी की इस दिनी में यांत्रिक कानूनी विकास सेवा उत्तराखण्ड न हो। अगर ऐसा है तो सकारी से मान करने के उत्तराखण्ड पूर्वी विद्यार्थी का लापता होता है। सकारी विद्यार्थी पर ज़िल्हा विद्यार्थी हो जाता है। यांत्रिक सामग्री के कानूनी विकास सेवा की वापरी हानि जाती है। प्रायोगिक विद्यार्थी के साथ साथ उत्तराखण्ड का नियम हो जाता है। विकास की परी लातूर करके प्रायोगिक विद्यार्थी पर कानूनी विकास सेवा

